शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

धार्मिक एवं साहित्यिक ग्रन्थ

मिशन शिक्षण संवाद

काव्य मंजरी

मिशन शिक्षण संवाद

शैक्षिक कविताओं का संकलन

मिशन शिक्षण संवाद

धार्मिक एवं साहित्यिक ग्रन्थ

01

सिंहासन बत्तीसी

बत्तीस कथाओं का संग्रह,
सिंहासन बत्तीसी।
एक से बढ़कर एक कथा,
ना शंका रत्ती सी।।

विक्रमादित्य की विशेषता,
बताती ये कहानियाँ।
जिसका वर्णन करतीं,
सुन्दर-सुन्दर पुतलियाँ।।

सारी पुतलियाँ लगी हुई हैं,
एक सिंहासन में।
संस्कृत में लिखा यह संग्रह,
लोकप्रिय जन-जन में।।

पराक्रमी हो, न्यायप्रिय हो,
और हो दानवीर।
वही व्यक्ति बैठेगा इस पर,
राजा विक्रम सा कर्मवीर।।

रचना
हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान **मिशन शिक्षण संवाद** शिक्षक का सम्मान

धार्मिक एवं साहित्यिक ग्रन्थ

02

सूर सारावली

कवि सूरदास वात्सल्य रस के,
सम्राट माने जाते हैं।
श्रेष्ठ रचनाओं में श्रृंगार रस,
शान्त रसों का भी वर्णन हम पाते हैं।।

जन्म से अन्धे ब्रजभाषा के कवि,
प्रसिद्ध संत व संगीतकार।
कृष्ण उपासक भक्ति-काल के,
वल्लभाचार्य के प्रिय शिष्य अपार।।

सूर सारावली एक मुख्य ग्रन्थ,
भक्त कवि सूरदास का है।
ग्यारह सौ सात छन्द इसमें यह,
'वृहद होली-गीत' रुप में लिखा है।।

सड़सठ वर्ष की उम्र में,
सूरदास ने यह रचना थी लिखी।
कृष्ण, गोप-ग्वालिन संग खेलत,
'होरी' वेद वर्णित दिखी।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० विद्यालय (1-8)- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

धार्मिक एवं साहित्यिक ग्रन्थ

03

रामायण

रामायण में वर्णित हैं,
मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम।
संस्कृत का है महाकाव्य,
जिसमें वर्णित रघुकुल अभिराम।।

चौबीस हजार श्लोकों में समाया,
धर्म और कर्तव्य का पालन।
आदिकवि वाल्मीकि ने रचा,
त्रेतायुग का सुन्दर जीवन।।

छः काण्डों में पिरोयी माला,
है सर्वत्र बरसता ज्ञान।
मानव जीवन के थे प्रेरक,
सीता, राम, भरत, हनुमान।।

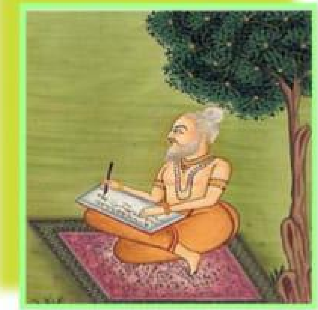

रावण जैसे ज्ञानी का है,
खूब बखाना वह अभिमान।
सत्य और कर्तव्यनिष्ठ को,
मिलता है जग में सम्मान।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
पू० मा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान **मिशन शिक्षण संवाद** शिक्षक का सम्मान

धार्मिक एवं साहित्यिक ग्रन्थ

04

श्रीमद्भगवतगीता

महाभारत युद्ध के भीष्मपर्व का अंग है गीता,
युद्धभूमि में श्रीकृष्ण का अर्जुन को उपदेश है गीता।
18 अध्याय और 170 श्लोकों का संग्रह है गीता,
ब्रह्मवाद और उपनिषदों का महान सार है गीता।।

व्यास जी द्वारा रचित हिन्दू महा धर्म ग्रन्थ है गीता,
ईश्वरीय वाणी और जीवन का सार और आधार है गीता।
जीवात्मा की गति का यथार्थ व तर्कसंगत वर्णन है गीता,
आत्मरत और आत्मस्थित रह पाने का सन्देश है गीता।।

ज्ञानयोग, बुद्धियोग, कर्मयोग व धर्मयोग उपदेश है गीता,
5000 वर्षों पूर्व श्रीकृष्ण की अमृत वाणी है गीता।
वर्तमान सामाजिक परिदृश्यों में भी प्रासंगिक है गीता,
निष्काम कर्म और जीवन का दार्शनिक दृष्टिकोण है गीता।।

अर्जुन को युद्धभूमि में धर्म की राह दिखाती है गीता,
जीवन-मृत्यु अटल और आत्मा अजर-अमर बताती गीता।
काम, क्रोध, भय, राग, द्वेष से परे इन्द्रीयजय समझाती गीता,
ईश्वर की शक्ति के मूर्त रूप का दर्शन है कराती गीता।।

रचना- डॉ० नीतू शुक्ला(प्र०अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकंदरपुर कर्ण- उन्नाव

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान **मिशन शिक्षण संवाद** शिक्षक का सम्मान

धार्मिक एवं साहित्यिक ग्रन्थ

श्री रामचरित मानस

05

श्री रामचरित मानस है पुस्तक खास जी।
इसके लेखक गोस्वामी तुलसीदास जी।।

राम कथा प्रस्तुत है इसमें,
हनुमान, सीता हैं जिसमें,
सात काण्ड में बँटी हुई है,
हिन्दी की संस्कृति छुई है,
वेद पुराणों का ये सार है,
नैतिकता और सदाचार है,

आदर्श राज्य की जिसमें, की है आस जी।
श्री रामचरित मानस है पुस्तक खास जी।।

महाकाव्य यह बड़ा ही सुन्दर,
मानव हृदय का का चित्रण बेहतर,
श्री राम का वन को गमन है,
एक पिता का विरह मरण है,
सीता जी का हरण है इसमें,
फिर रावण का मरण है इसमें,

अद्भुत है इसमें श्री राम वनवास जी।
श्री रामचरित मानस है पुस्तक खास जी।।

रचना-
श्रीमती पूनम गुप्ता "कलिका"
(स०अ०) प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर, जनपद अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

धार्मिक एवं साहित्यिक ग्रन्थ

06

कुरान

इस्लाम धर्म की सबसे,
पाक किताब कुरान है।
अल्लाह के घर से आई,
अन्तिम किताब कुरान है।।

मोहम्मद साहब को फरिश्तों ने,
कुरान पढ़कर सुनाया था।
अल्लाह के सन्देश लिखे हैं।
कुरान में बताया था।।

कुरान शरीफ तीस पारों से,
मिलकर है बना हुआ।
क्या अच्छे काम करना है,
इसमें यह है लिखा हुआ।।

सबसे पहले मुसलमान,
बच्चों को कुरान पढ़ाते हैं।
अच्छे- बुरे का ज्ञान हमको,
ग्रन्थ हमारे कराते हैं।।

रचना- शहनाज़ बानो (स० अ०)
उच्च प्राथमिक वि० भौंरी- 1
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

धार्मिक एवं साहित्यिक ग्रन्थ

07

पद्मावत

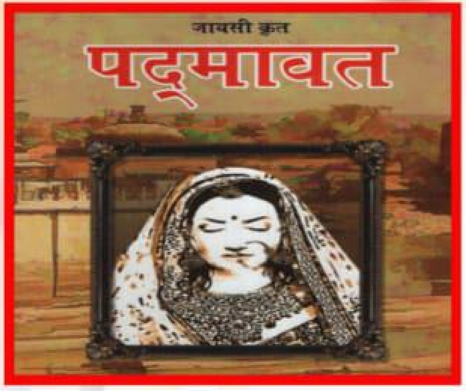

दोहा और चौपाई छन्द में लिखी,
देखो भाषा इसकी अवधि है।
प्रसिद्ध है यह सूफी काव्य,
लेखक मलिक मोहम्मद जायसी हैं।।

उपसंहार समेत इसमें,
अट्ठावन कुल अध्याय हैं।
बड़ा ही मार्मिक प्रसंग जिसमें,
प्रेम विरह का महाकाव्य है।।

रानी इसमें पद्मावती,
रतन सिंह इसके थे नायक।
क्रूर अलाउद्दीन खिलजी,
इस रचना का खलनायक।।

आक्रमण किया जब अलाउद्दीन ने,
रतन सिंह को वीरगति प्राप्त हुई।
अपनी आन पर आँच न आने दी,
चित्तौड़ की महारानी अग्नि में जौहर हुई।।

रचना- आकांक्षा मिश्रा (स०अ०)
प्रा० वि० सिकन्दरपुर
सुरसा, हरदोई

शिक्षा का उत्थान **मिशन शिक्षण संवाद** शिक्षक का सम्मान

धार्मिक एवं साहित्यिक ग्रन्थ

रामलला नहछू

08

तुलसीदास जी की प्रथम कृति,
राम लला नहछू की बात बताते हैं।
लोकाचार का वर्णन है इसमें,
अवध क्षेत्र का छन्द सोहर पाते हैं।।

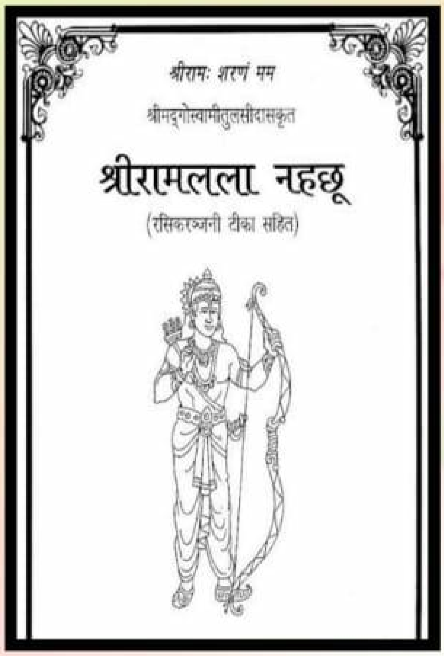

नहछू दो शब्दों से मिल कर बना
नख और क्षुर नहछू की प्रथा।
पुत्र पुत्री जन्म पर गीत गाते
गीत के माध्यम से भाव देते बता।

कर्णवेध, मुंडन और उपनयन संस्कार,
नहछू लोकाचार में स्त्रियाँ हैं गाती।
राम जी के जन्म पर सभी वहाँ आतीं,
नाखून कटने के बाद नेग हैं मांगती।।

रचना-
सुधांशु श्रीवास्तव (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर
ऐरायां, फतेहपुर

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

धार्मिक एवं साहित्यिक ग्रन्थ

09

साकेत

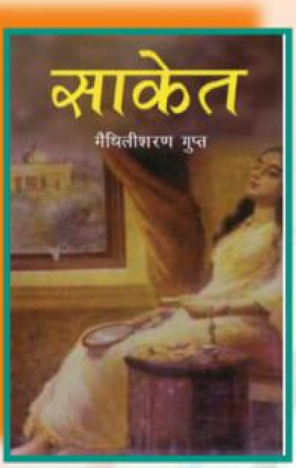

महाकाव्य यह योग-विरह का,
करुण कहानी जिसमें है।
बारह सर्गों में लिखा हुआ,
संताप उर्मिला का इसमें है।।

महाकवि, मैथिली शरण जी,
जो कवि बहुत महान् रहे।
नयी दृष्टि से व्याख्या करके,
स्वर वियोग के नव गान कहे।।

अवध में लक्ष्मण राम हुए थे,
वन को दोनों भ्रात गये थे।
रामकथा की करुण कहानी है,
साकेत लिखी अप्रतिम बानी है।।

विरह-वेदना, संताप लिखा है,
वधू उर्मिला का अनुताप लिखा है।
भूल गई जो सब सुख, राजभोग,
ऐसा था उनका लक्ष्मण से वियोग।।

रचना
सतीश चन्द्र (प्र०अ०)
प्रा० वि० अकबापुर
पहला, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान **मिशन शिक्षण संवाद** शिक्षक का सम्मान

धार्मिक एवं साहित्यिक ग्रन्थ

10

कामायनी

जयशंकर प्रसाद

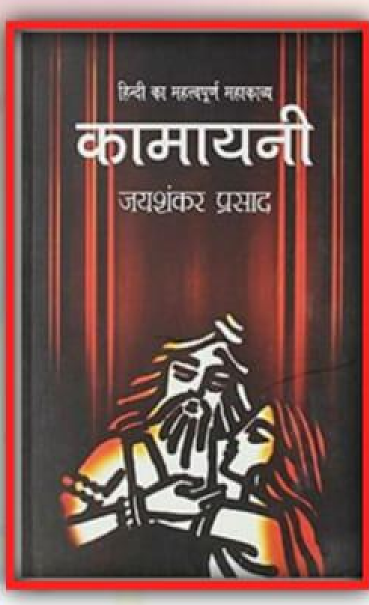

मानव सृष्टि का भेद बताता,
हिन्दी का महाकाव्य प्रसिद्ध।
छायावादी युग की सर्वोत्तम,
रचना 15 सर्गों से यह युक्त।।

जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित,
1936 में यह हुआ प्रकाशित।
मनु मन के और श्रृद्धा हृदय की,
चिंतन प्रधान काव्य आभासित।।

जगतरूपी कल्याण भूमि को,
प्रेम का दिया सन्देश महान।
पुरुष मनु और श्रृद्धा नारी ने,
मानवता को दिया जीवनदान।।

पुरुष-नारी के पूरक सम्बन्ध को,
चित्रित करता यह महाकाव्य।
मानव सृष्टि के आदि अन्त को,
विश्लेषित करता यह महाकाव्य।।

रचना- सीमा मिश्रा (स.अ.)
उ. प्रा. वि. काजीखेड़ा
खजुहा, फतेहपुर

धार्मिक एवं साहित्यिक ग्रन्थ

11

पंचतन्त्र

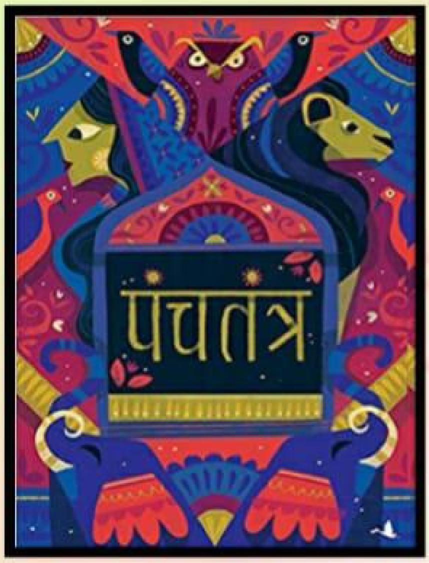

पंचतन्त्र नीतिशास्त्र का प्रतिनिधि ग्रन्थ,
बाल मनोविज्ञान पर आधारित है ग्रन्थ।
शिक्षा जगत के लिए उपयोगी है ग्रन्थ,
पंचतन्त्र विश्वविख्यात कथा ग्रन्थ ।।

तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व की है रचना,
मूल ग्रन्थ के रचयिता पंडित विष्णु शर्मा।
पंचतन्त्र के हैं 5 भाग मित्रभेद,मित्र लाभ,
मित्रसंप्राप्ति, काकोलुकीयम, लब्धप्रणाश।।

जीवन्त कथाओं की है रुचिकर श्रंखला,
सिखाता ग्रन्थ लोक व्यवहार की कला।
अनुवाद विश्व की प्रमुख भाषाओं में,
सराहा गया बाल साहित्य पूरे विश्व में।।

रचना
सुमन पांडेय (प्र०अ०)
प्रा०वि०टिकरी-मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

12

प्रियप्रवास

अयोध्या सिंह उपाध्याय जी की,
हिन्दी काव्य रचना है प्रियप्रवास।
लयप्रवाह है छन्द और भाषा इसकी,
द्विवेदी युग में प्रकाशित प्रियप्रवास।।

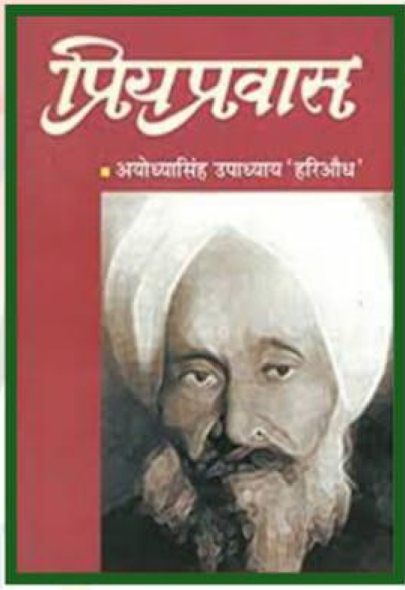

संस्कृत बाहुल्य समास गुम्फित है,
खड़ी बोली का सफल महाकाव्य।
कृष्ण महापुरुष राधा प्रेमिका देवी है,
प्रियप्रवास को कहते विरहकाव्य।।

प्रियप्रवास नहीं विरह की व्याकुलता,
वर्णित जिसमें राधा कृष्ण वियोग।
इसमें निहित है व्यथा की गम्भीरता,
सारगर्भित है परिवार समाज वियोग।।

प्रियप्रवास के कृष्ण हैं ओजस्वी गम्भीर,
समाहित कृष्ण का यौवन और बचपन।
पा कर मंगलाप्रसाद पारितोषिक पुरस्कार,
अयोध्या सिंह हरिऔध जी को मिली पहचान।।

रचना- आरती यादव (स०अ०)
प्रा० वि० रनिया प्रथम
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान **मिशन शिक्षण संवाद** शिक्षक का सम्मान

धार्मिक एवं साहित्यिक ग्रन्थ

13

उर्वशी

रामधारी सिंह दिनकर जी का,
महत्वपूर्ण काव्य नाटक उर्वशी।
विधान रचा प्रेम की सुन्दरता का,
पात्र जिसके पुरूरवा और उर्वशी।।

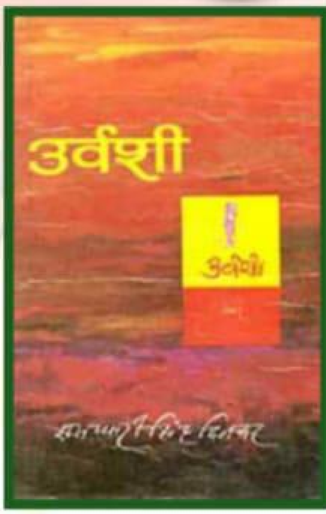

अन्य रचना से इतर है रचना उर्वशी,
राष्ट्रवाद वीर रस की प्रधानता इसमें।
भाषा की सादगी से अलंकृत उर्वशी,
आभिजात्य की चमक भी इसमें।।

धरती पुत्र पुरूरवा तृष्णा देवत्व की,
चलने वाला वंश चन्द्रवंश पुरूरवा का।
उरु से जन्मी उर्वशी देवलोक की,
अप्सरा थी काव्य प्रेम सौन्दर्यता का।।

उर्वशी काव्य नाटक हिन्दी साहित्य का,
जिससे मिली पहचान दिनकर जी को।
प्राचीन आख्या को नये अर्थ में जोड़ कर,
सुशोभित हुए ज्ञानपीठ पुरस्कार जीत कर।।

रचना- अनुप्रिया यादव (स०अ०)
उ०प्रा०वि०काजीखेड़ा
खजुहा, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान **मिशन शिक्षण संवाद** शिक्षक का सम्मान

धार्मिक एवं साहित्यिक ग्रन्थ

14

अभिज्ञान शाकुन्तलम्

महाकवि कालिदास की अनुपम कृति,
जिसने निभायी प्रणय की सब रीति।
अभिज्ञान शाकुन्तलम् नाम की रचना,
विशेषताओं की नहीं थी कोई इति।।

दुष्यन्त शकुन्तला के प्रणय का वर्णन,
विवाह, विरह, प्रत्याख्यान का वर्णन।
मुद्रिका द्वारा सत्य का अनावरण,
विरह के बाद फिर आया पुनर्मिलन।।

108 उपमाएँ शाकुन्तलम में हुई प्रयुक्त,
एक से बढ़कर एक थी उपयुक्त।
उपमा के प्रयोग में कालिदास अप्रतिम,
रमणीय शैली से भाव करें व्यक्त।।

चतुर्थ अंक का चतुर्थ श्लोक रमणीय,
वीर, करुण और हास्य रस दर्शनीय।
सुन्दर मनोहारी उत्प्रेक्षाएँ करें चमत्कृत,
प्रत्येक पात्र इसका है अनुकरणीय।।

रचना- नम्रता श्रीवास्तव
(प्रधानाध्यापिका)
प्राथमिक विद्यालय बड़ेहा स्योंढा
क्षेत्र-महुआ जिला-बांदा

शिक्षा का उत्थान **मिशन शिक्षण संवाद** शिक्षक का सम्मान

धार्मिक एवं साहित्यिक ग्रन्थ

15

पृथ्वीराज रासो

काव्यों में ये महाकाव्य,
पृथ्वीराज रासो प्रथम काव्य है।
2500 पृष्ठ तथा 69 सर्ग,
वीर-श्रृंगार रस का आविर्भाव है।।

युद्ध क्षेत्र का वर्णन इसमें,
उपमा व रूपक अलंकार हैं,
उत्प्रेक्षा अलंकार प्रधानता में
प्रबन्ध निर्वाह का अभाव है।।

हिन्दी भाषा में लिखा काव्य,
रचयिता कवि चन्दबरदाई हैं।
पृथ्वीराज चौहान के मित्र महान,
राजकवि रूप में प्रसिद्धि पायी है।।

कहीं चन्द-पत्नी वाद-विवाद,
तो कहीं शुक-शुकी संवाद है।।
दिल्लीश्वर जीवन चरित्र वर्णन,
ऐतिहासिकता पर वाद-विवाद है।।

रचना
सुप्रिया सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बनियामऊ
मछरेहटा, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान **मिशन शिक्षण संवाद** शिक्षक का सम्मान

धार्मिक एवं साहित्यिक ग्रन्थ

16

गुरु ग्रन्थ साहिब

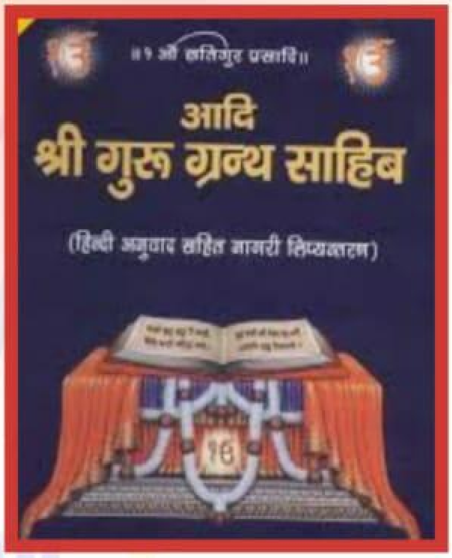

आदिग्रन्थ 'गुरु ग्रन्थ' है सिखों का सम्मान,
जिसके सम्पादक बने श्री अर्जुन देव महान।
सन् 1604 ई० में इसको संगृहीत किया,
सुर संगीत की रागों से सारग्राही इसे बना दिया।।

गुरुओं की बानी है ये, गुरुबानी है नाम,
गद्दी पर पधराया गया, गुरु स्वरुप है मान।
गुरुमुखी लिपि है इसकी, भाषा है पंजाबी,
कबीर और रविदास सभी इसके सहभागी।।

एक ओंकार की वाणी से गूँजता है संसार,
गुरु नानक जी के उपदेशों का है यह सार।
जपुनीसाणु, सोदरु आदि इसकी रचनाएँ,
इसमें छिपी हुई हैं गुरु की सारी ऋचाएँ।।

गुरुओं के त्याग का करते हैं हम सम्मान,
तेग बहादुर, अंगद देव, हरगोविन्द हैं इनके नाम।
आओ मिलकर सब करें गुरु ग्रन्थ को प्रणाम,
जिसमें बसे हुए हैं गुरु नानक देव भगवान।।

रचना- इला सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० पनेरूवा
अमौली, फतेहपुर।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान **मिशन शिक्षण संवाद** शिक्षक का सम्मान

धार्मिक एवं साहित्यिक ग्रन्थ

17

केशव कृति-रामचन्द्रिका

तुम्हें सुनाएँ रामचन्द्रिका,
लिखी जो केशव दास ने।
उनतालीस सर्गों में वर्णित,
छन्दों की रसधार में।।

इसमें सुविदित रामकथा,
काव्य-ग्रन्थ कहलाता है।
ब्रज भाषा के शब्दों का,
चमत्कार झलकाता है।।

संवाद योजना नाटकीय है,
अविराम सरलता है इसमें।
राम गुणों का वर्णन इसमें,
राम तरलता है इसमें।।

आचार्यत्व प्रबलता धारण कर,
शैली से है भर डाला।
पंचवटी की रचना लिख दी,
अंगद छन्दों से भर डाला।।

रचना
पूनम देवी (शि०मि०)
प्रा० वि० मकनपुर
लहरपुर, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान **मिशन शिक्षण संवाद** शिक्षक का सम्मान

धार्मिक एवं साहित्यिक ग्रन्थ

18

गोदान

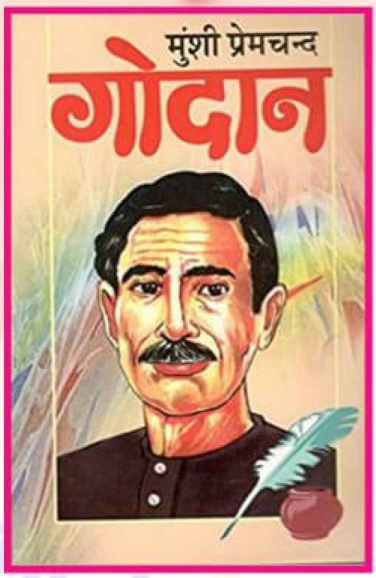

मुंशी प्रेमचन्द ने एक उपन्यास रचा,
जिसका नाम गोदान कहाया।
ग्राम्य जीवन और कृषि संस्कृति,
का यह महाकाव्य कहलाया।।

इसमें भारत की मिट्टी की सोंधी खुशबू,
और संस्कृति का सजीव वर्णन है।
यह उपन्यास हिन्दी के विकास का,
उज्ज्वलतम प्रकाश स्तम्भ है।।

ग्रामीण और नगरीय क्षेत्र की,
यह सन्तुलित निशानी है।
होरी और धनिया के जीवन की,
यह दुःखदायी कहानी है।।

गाय बंधे आँगन में उनके,
बस यही एक इच्छा जताया।
जीवन भर झेला कष्ट मगर,
होरी गाय बाँध नहीं पाया।।

दो घूँट दूध गले से उतार नहीं पाया,
इसी अभिलाषा में उसका अन्त समय आया।
सब कुछ गिरवी रख पत्नी ने,
उसका फिर गोदान कराया।।

रचना- रीना रानी (स०अ०)
प्रा० वि० सरूरपुर कलां-2
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान **मिशन शिक्षण संवाद** शिक्षक का सम्मान

धार्मिक एवं साहित्यिक ग्रन्थ

19

बीजक

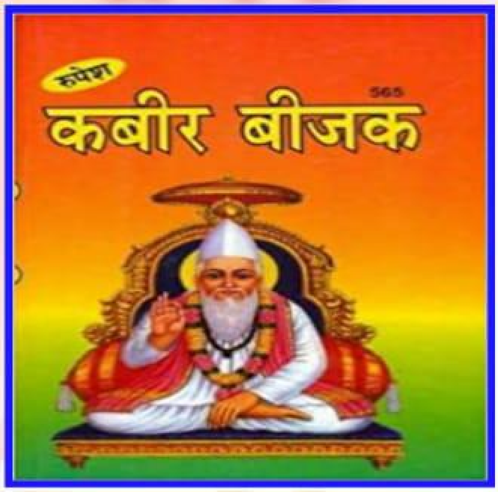

मूलग्रन्थ कबीर दास का,
'बीजक' जिसका नाम।
ग्यारह अंग इस ग्रन्थ के,
पूरन साहेब बताते नाम॥

ज्ञान चौतीसा, रमैनी, चाचर,
शब्द, बसन्त, बेलि, कहरा।
बिरहुली, साखी, विप्रमतिसी,
ग्यारहवां है हिंडोला॥

एक भक्त कबीर का,
बहुत ही था वह खास।
'बीजक' की प्रति लेकर,
भागा भगवान दास॥

भग्गू नाम से हुआ वह निन्दित,
'बीजक' से बना बीजाक्षर।
लोगो में यह भ्रम फैला,
क्या कबीर दास थे निरक्षर॥

रचना- मंजू शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० नगला जगराम
सादाबाद, हाथरस

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान **मिशन शिक्षण संवाद** शिक्षक का सम्मान

धार्मिक एवं साहित्यिक ग्रन्थ

आइने अकबरी 20

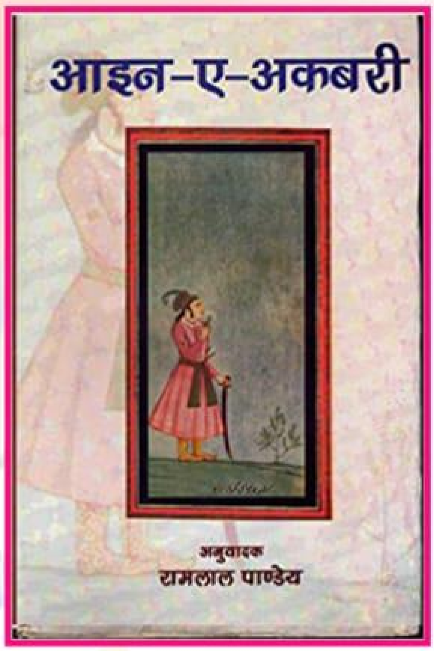

भारत के इतिहास में,
था एक मुगल सम्राट।
अकबर उसका नाम था,
अलग ही उसके ठाठ।।

अकबर रखते थे नवरत्न अपने पास,
उनमें से एक थे "अबुल फजल" खास।
बुलाया एक दिन इनको अकबर ने अपने पास,
बोले तुम लिख डालो शासन का इतिहास।।

अबुल फजल ने तीन भागों में विभक्त किया इतिहास,
जो अकबर को आया बहुत था रास।
पहला भाग करता है बखान अकबर के पूर्वजों का,
दूसरा भाग विवरण देता शासन की घटनाओं का।।

और तीसरा भाग है बहुत ही,
रोचक बहुत ही सुन्दर।
ये ग्रन्थ बताता है-घराने, सेना,
राजस्व में कैसे थे अकबर।।

रचना- प्रीति प्रजापति (स०अ०)
प्रा० वि० करनपुर,
कुंदरकी, मुरादाबाद

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान   शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

धार्मिक एवं साहित्यिक ग्रन्थ

रचनाकारों की सूची

01- हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
02- नैमिष शर्मा, मथुरा
03- शिखा वर्मा, सीतापुर
04- डॉ० नीतू शुक्ला, उन्नाव
05- पूनम गुप्ता, अलीगढ़
06- शहनाज़ बानो, चित्रकूट
07- आकांक्षा मिश्रा, हरदोई
08- सुधांशु श्रीवास्तव, फतेहपुर
09- सतीश चन्द्र, सीतापुर
10- सीमा मिश्रा, फतेहपुर
11- सुमन पाण्डेय, फतेहपुर
12- आरती यादव, कानपुर देहात
13- अनुप्रिया यादव, फतेहपुर
14- नम्रता श्रीवास्तव, बांदा
15- सुप्रिया सिंह, सीतापुर
16- इला सिंह, फतेहपुर
17- पूनम देवी, सीतापुर
18- रीना रानी, बागपत
19- मंजू शर्मा, हाथरस
20- प्रीति प्रजापति, मुरादाबाद

तकनीकी सहयोग

जितेन्द्र कुमार, बागपत

आयुषी अग्रवाल, मुरादाबाद

मार्गदर्शन:- राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन:- मिशन शिक्षण संवाद